पाठ्यक्रम

SYLLABUS

एम्.ए. (हिंदी) कार्यक्रम

MA (HINDI) PROGRAMME

संबलपुर विश्वविद्यालय,

ज्योति विहार, बुर्ला, संबलपुर,

ओड़िशा (भारत) – ७६८०१९

SAMBALPUR UNIVERSITY,

JYOTI VIHAR, BURLA, SAMBALPUR,

ODISHA (INDIA) – 768019

UNDER COURSE CREDIT SEMESTER SYSTEM

		SEMESTER - I	
HNC	411	हिंदी साहित्य का इतिहास भाग – 1	4CH
HNC	412	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य	4CH
HNC	413	सगुन भक्ति एवं रीतिकाल	4CH
HNC	414	छायावादी काव्य	4CH
HNC	415	छायावादोत्तर काव्य	4CH
		SEMESTER - II	
HNC	421	हिंदी साहित्य का इतिहास भाग – 2	4CH
HNC	422	हिंदी कथा साहित्य	4CH
HNC	423	आधुनिक गद्य साहित्य	4CH
HNC	424	भारतीय काव्यशास्त्र	4CH
HNC	425	भाषा विज्ञानं एवं हिंदी भाषा	4CH
		SEMESTER - III	
HNC	511	पत्रकारिता एवं मिडिया ललेखन	4CH
HNC	512	हिंदी आलोचना और साहित्य	4CH
HNC	513	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4CH
HNC	514	हिंदी कथा साहित्य में स्त्री विमर्श	4CH
HNC	515	हिंदी कविता एवं साहित्य की अन्य विधाओं में स्त्री विमर्श	4CH
		SEMESTER - IV	
HNC	521	कामकाजी हिंदी और हिंदी कंप्यूटिंग	4CH
HNC	522	हिंदी पत्रकारिता	4CH
HNC	523	आनुवाद सिद्धांत और व्यवहार	4CH
HNC	524	दलित साहित्य	4CH
HNC	525	परियोजना कार्य	4CH

NB : The Total Credit hours for all the Semester are 80CH. Each theory paper carry 100 marks (80 marks for University Examination & 20 marks for internal assessment).

SEMESTER – I

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 411 **अंक: 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग -1

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

इतिहास दर्शन और साहित्येतीहास। हिंदी साहित्य के इतिहस लेखन की परंपरा, काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण। सिद्ध और नाथ साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की रचनाएँ, विद्यापति की पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की विशेषताएँ।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पुर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक प्रवृत्तियां, चेतना और भक्ति आंदोलन। प्रमुख निर्गुण संत। निर्गुण काव्य में सामाजिक चेतना, कबीरदास का सुधारवादी दृष्टिकोण, भारत में सूफि मत का उदय और विकास। हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, निर्गुण भक्तिधारा की मुख्य विशेषताएँ।

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

सगुण भक्ति का सामाजिक - सांस्कृतिक आधार। प्रमुख आचार्य एवं संप्रदाय। रामभक्ति साहित्य, कृष्णभक्ति साहित्य। प्रमुख कवि एवं ग्रंथ, सगुण भक्ति का वैशिष्ट्य।

UNIT-IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमी, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण - ग्रंथों की परंपरा। रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) । रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 X 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 X 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.नगेंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ.हजारिप्रसाद द्विवेदी, पटना, 4.हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी दिल्ली, 5. सूफी काव्य विमर्श – श्याम मनोहर पांडे, आगरा, 6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - डॉ.मेनेजर पांडे, नयी दिल्ली, 7. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.बहादुर सिंह, माधव प्रकाशन, यमुनानगर, हरियाना, 8. भारतीय चिंतन परंपरा – क.दामोदर, नई दिल्ली, 9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ.बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 10. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, डॉ.नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 11. भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा, डॉ.संध्या वात्स्यायन, दिल्ली, 12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ.रामकुमार वर्मा, प्रयाग प्रकाशन 13. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास - संपादक - डॉ.राजबली पांडे, नागरी प्रचारणी सभा, काशी, 14.हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिट्रेचर – मारिस विटेऐनिस्ज, कलकता विश्वविद्यालय, 15. महाकवि पुष्पदंत - डॉ.राजनारायण पांडे, चिन्मय प्रकाशन, चोडा रास्ता, जयपुर।

पाठ्यक्रमसंख्या : HNC - 412 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : आदिकाल एवं निर्गुण भक्ति काव्य

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्यपुस्तक
विद्यापति की पदावली - संपा, रामकृष्ण बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, वाराणसी
बसंत खंड
आलोचना : विद्यापति के साहित्य की विवेचना, उनका युग एवं काव्य साहित्य की विशेषताएँ ।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आलोचना :

- निर्गुण भक्ति की प्रवृतियाँ । व्यंग्य और विद्रोह के कवि कबीर, भावात्मक एकता की दिशा में कबीर का योगदान।
- हिंदी कविता में सूफी संप्रदाय का योगदान, सूफी प्रेमाख्यानो की विशेषताएँ , मलिक मोहम्मद जायसी के व्यक्तित्व एवं काव्यगत विशेषताएँ, भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्य में संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्व ।

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कबीर ग्रंथावली - डॉ.श्याम सुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

(क) गुरुदेव को अंग - (1-20) (ख) सुमिरन को अंग (1-20)
(ग) विरह को अंग (1-20) (घ) ज्ञान विरह को अंग (1-10)

UNIT-IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

मल्लिक मुहम्मद जायसी – पद्मावत संपा. माता प्रसाद गुप्त, भारती भंडार प्रयाग
नख – शिख वर्णन

<u>अंक विभाजन :</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 2. कबीर – डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में शक्ति – डॉ.श्याम शुक्ल, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, 4. सूफी मत और साहित्य साधना – हिंदुस्तान अकादेमी, इलाहवाद, 5.जायसी ग्रंथावली (भूमिका) – संपा. रामचन्द्र शुक्ल, 6. कबीर की विचार धारा – गोविंद त्रिगुनायम, 7. हिंदी साहित्य का आदिकाल - डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, 8. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद, 9. हिंदी सूफी कविता और काव्य – सरला गूप्ता, 10. विद्यापति युग और साहित्य – इंद्रकांत झा, 11.भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा - डॉ.संध्या वात्स्यायन, दिल्ली, 12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ.राजकुमार वर्मा, 13. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास - डॉ.राजबली पांडे, नागरी प्रचारिणी सभा,काशी 14. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिट्रेचर – मोरीसविटेऐनिस्ज, कलकता विश्वविद्यालय, 15. महाकवि पुष्पदन्त : डॉ.राजनारायण पांडे, चिन्मय प्रकाशन, चोड़ा रास्ता, जयपुर।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 413 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : सगुण भक्ति एवं रीति काव्य

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

भ्रमरगीत सार – संपा. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – पुतक भंडार वाराणसी (1-25 पद)
आलोचना : सगुण भक्ति की प्रवृत्तियाँ, सूरदास का समकालीन समाज, सुरसागर और लोक जीवन, सगुण संत कवि और उनका अवदान ।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आलोचना :

- भक्ति काल के कवियों में तुलसीदास का स्थान। उनका व्यक्तित्व। साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक अवदान। तुलसी दास और वर्ण व्यवस्था, तुलसी की समन्वय भावना ।
- रीतिकालीन परिस्थितियाँ एवं परिवेश, दरबारी संस्कृति और रीति काव्य, बिहारी की भाषा।

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

रामचरितमानस (अयोध्या काण्ड) – तुलसी दास – गीता प्रेस गोरखपुर (1-25 पद)

UNIT-IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

बिहारी रत्नाकर - संपा. जगन्नाथ रत्नाकर (प्रथम 25 दोहे)

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 =60
20 वस्तु निष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :
1.त्रिवेणी – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 2. सुर साहित्य - डॉ.हजारी प्रसाद द्विवेदी, 3. सूर दास – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी, 4. तुलसीदास – माता प्रसाद, 5. तुलसी दास - ग्रियर्सन, 6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - डॉ.मैनेजर पांडे, वाराणसी प्रकाशन, दिल्ली, 7. तुलसी के गीति काव्य : संवेदना और शिल्प - डॉ.गुलाम मोइनुद्दीन खान, शबनम पुस्तक महल, कटक, 8. लोकवादी तुलसी दास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 414 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : छायावादी काव्य

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आलोचना

- स्वाधीनता आंदोलन और छायावादी कविता, प्रसाद के काव्य की विशेषताएँ, कामायनी और प्रतीक योजना।
- निराला के युग का सामान्य परिचय, निराला की प्रमुख काव्य कृतियाँ तथा प्रवृत्तियाँ ।
- महादेवी वर्मा का सामान्य परिचय, काव्यगत विशेषताएँ ।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कामायनी – जयशंकर प्रसाद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद।
श्रद्धा और लज्जा सर्ग ।

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्यपुस्तक
छायावाद के प्रतिनिधि कवि - डॉ.विजय पाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी ।
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
(क) राम की शक्ति पूजा (ख) सरोज स्मृति

UNIT-IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

छायावाद के प्रतिनिधि कवि - डॉ.विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
महादेवी वर्मा
(क) बसंत रजनी (ख) रूपसी तेरा धन केश - पाश
(ग) क्या पूजन क्या अर्चन रे (घ) मंदिर के दीप (ड) सब आँखों के आँसू उजले

<u>अंक विभाजन :</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.जयशंकर प्रसाद – नन्ददुलारे बाजपेयी, 2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ.नगेन्द्र, 3. छायावाद – डॉ.नामवर सिंह, 4. छायावाद काव्य : एक दृष्टि – डॉ.चोथीराम यादव, 5. निराला की साहित्य साधना – डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 6. क्रन्तिकारी कवि निराला – डॉ.बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद, 7. महादेवी वर्मा – जगदीश गुप्त, 8. महादेवी : साहित्य समग्र भाग – 1, 2, 3, संपा. निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 9. छायावादी युगीन कविता – डॉ.उमाकांत गोयल, पिताम्वर प्रकाशन, कोरल बाग, दिल्ली, 10. कामायनी एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 11. निराला के काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्यायन – डॉ.कमल प्रभा कपानी, भावना प्रकाशन, दिल्ली ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 415 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : छायावादी काव्य

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक
उर्वशी (तृतीय अंक) - रामधारी सिंह दिनकर, उदयांचल प्रकशन, पटना ।
आलोचना : दिनकर - युग संदर्भ, दिनकर के काव्य दृष्टि और दर्शन, संस्कृति चेतना, दिनकर का कामाध्यात्मक ।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक
अज्ञेय संपा.विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली ।
आलोचना : अज्ञेय के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ।
(क) नदी के दीप (ख) असाध्य वीणा

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आलोचना : रघुवीर सहाय, धूमिल और नागार्जुन का साहित्यिक परिचय तथा काव्यगत विशेषताएँ ।

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक
(क) रघुवीर सहाय - राम दास
(ख) धूमिल - मोचीराम
(ग) नागार्जुन - बहुत दिनों के बाद

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 =20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.दिनकर - डॉ.सवित्री सिन्हा, 2. दिनकर की काव्य साधना - डॉ.श्रीवास्तव, 3. महाकवि दिनकर- उर्वशी तथा अन्य कृतियाँ - डॉ.विमल कुमार जैन, भारतीय मंदिर, दिल्ली, 4. दिनकर के काव्य में सामाजिक चेतना - डॉ.गुलाम मोइनूद्दीन खान, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली, 5. उर्वशी विचार और विश्लेषण – डॉ.वचनदेव कुमार, नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 6. समकालीन कविता का यथार्थ - डॉ.परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा साहित्य अकादमी, 7. संवाद : नयी कविता आलोचना और प्रतिक्रिया - डॉ.प्रभाकर क्षत्रिय, राजपाल एंड संस, 8. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 9. बोध और संवेदना - डॉ.नवल किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 10. नयी कविता और अस्तित्ववाद – डॉ.रामविलास शर्मा, 11. कविता के सौ साल – सं.लीलाधर मंडलोई, शिल्प प्रकाशन, दिल्ली ।

SEMESTER – II

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 421 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य का इतिहास : भाग – 2

UNIT-I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

भारतेन्दु युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ पश्चात्य नवोन्मेष का विकास छायावाद में दिखाई पड़ा। भारतेन्दु और उनका मण्डल। 19 वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र और पत्रिकाएँ। भारतेन्दुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ।

महावीर प्रसाद द्विवेदी युग तथा खड़ीबोली का विकास। सरस्वती का प्रकाशन तथा हिंदी नवजागरण । भाषा परिष्कार । मैथिली शरण गुप्त और राष्ट्रिय काव्यधारा के प्रमुख कवि।

UNIT-II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी गद्य विधाओं का विकास। हिंदी उपन्यास का उदय। प्रेमचन्द के साहित्य में स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पर उसका प्रभाव।

UNIT-III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

छायावादी परंपरा का विकास। स्थूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सुक्ष्मता। जागरण का नया रूप छायावाद में मुखरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शक्ति का काव्य। प्रसाद, पंत, महादेवी, निराला की सर्जना । छायावाद की विशेषताएँ।

UNIT-IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

प्रगतिशील काव्य : उद्योगिकरण के साथ – साथ शोषण की बृती तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यांदोलन को बढ़ावा दिया। प्रयोगवाद और नयी कविता : देश का विभाजन तथा सामप्रदयिक घटनाओ का साहित्य पर प्रभाव। अस्तित्ववाद का प्रवाभ – छठे दशक के साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ। साठोत्तरी आंदोलन - प्रमुखकविऔरकाव्यकृतियाँ।आंचलिकउपन्यासऔरउपन्यासकर- नयी कहानी, नाटक और रंगमंच के क्षेत्र में नए प्रयोग। स्वातंत्रयोत्तर हिंदी साहित्य की उपलब्धियाँ।

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.भारतेंदु और हिंदी नवजागरण – डॉ.रामविलाश शर्मा, 2. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचन्द्र शाह, 3. प्रसाद, निराला, अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी, 4. अज्ञेय एक अध्ययन – डॉ.भोलाभाई पटेल, 5. इतिहास और आलोचना – डॉ.नामवर सिंह, 6. नागार्जुन – डॉ.प्रभाकर माचवे, 7. मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता – डॉ.लल्लन राय, 8. समकालीन कविता और धूमिल काव्य – डॉ.हुक्मचाँद, कोणा प्रकाशन, दिल्ली, 9. मैथिलिशरण गुप्त : एक मूल्यांकन – राजीव सक्सेना, 10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ.बहादुर सिंह, 11. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ.बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 12. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – संपा. राहुल सांकृत्यायन, 13. हिंदी साहित्य का सुवोध इतिहास – डॉ.गुलाव राय, 14. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ.बच्चन सिंह, 15. नई कविता का आत्मसंघर्ष - गजानन माधव मुक्तिवोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 422 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी कथा साहित्य

UNIT -I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

उपन्यास

पाठ्य पुस्तक
गोदान - प्रेमचंद - हंस प्रकाशन, इलाहवाद
आलोचना : प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास, प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य, प्रेमचंद और आंचलिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास की विशेषताएँ ।

UNIT -II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

मैला आँचल - फणीश्वरनाथ रेणु – राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
लेखक रेणु का परिचय, रेणु और आंचलिक उपन्यास तथा मेला आँचल ।

UNIT -III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कहानी

पाठ्य पुस्तक
हिंदी कहानी संग्रह – संपा. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

1. मलवे का मालिक - मोहन राकेश
2. खोयी हुई दिशाएँ - कमलेश्वर
3. जहाँ लक्ष्मी केद है - राजेंद्र यादव
4. कोशी का घटवार - शेखर जोशी
5. प्रेत मुक्ति - शैलेश मटियानी
6. परिंदे - निर्मल वर्मा
7. अपना रास्ता लो बाबा - काशीनाथ सिंह
8. वांङ्चुँ - भीष्म साहनी

UNIT -IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

बच्चन की आत्मकथा (संक्षिप्त) – डॉ.हरिवंशराय बच्चन
संक्षेपण – अजित कुमार,नेशनल बूक ट्रस्ट इंडिया, ए-5 ग्रीनपार्क, नई दिल्ली

<u>अंक विभाजन :</u>
04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 x 20 = 20

अनुमोदितग्रंथ:

1 . हिंदी उपन्यास की उपलब्धियाँ - डॉ.लक्ष्मी सागर वार्णय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद, 2. हिंदी साहित्य का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 3. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 4. प्रेमचंद : एक विवेचन - डॉ.इंद्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद, 5. कहानी - नई कहानी - डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 15 ए महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहावाद, 6. नयी कहानी संवेदना और शिल्प - डॉ.राजेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 7. उपन्यास और लोक जीवन - राल्फ फास्क, दिल्ली, 8. मोहन राकेश की कहानियों में आधुनिक बोध – डॉ.सदन कुमार पॉल,भावना प्रकाशन, दिल्ली, 9. क्या भूलूँ क्या याद करूँ-डॉ.हरिवंशराय बच्चन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 423 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी)

UNIT -I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक

स्कन्द गुप्त – जयशंकर प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकशन, वाराणसी ।
आलोचना : प्रसाद युगनी नाटक, प्रसाद का नाट्य साहित्य, रंगमंच और प्रसाद के नाटक, आधुनिकता परिप्रेक्ष्य में हिंदी नाटक।

UNIT -II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक
आधे अधूरे – मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
मोहन राकेश के नाटकों में साहित्यिक दृष्टी, मोहन राकेश के नाटक में सर्जनात्मक धरातल और उनकी विशेषताएँ ।

UNIT -III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक

- ललित निबंध – डॉ.नामवर सिंह, अनुपम प्रकाशन, पटना
  1. चढ़ती उमर – बालकृष्ण भट्ट
  2. बसंत आ गया – हजारी प्रसाद द्विवेदी
  3. पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ – डॉ.नामवर सिंह
  4. कैक्टस – डॉ.धर्मवीर भारती
- महादेवी वर्मा – अष्टवुद्धि (संस्मरण)
- रजिया (रेखाचित्र)

UNIT -IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पाठ्य पुस्तक
आवारा मसीहा – विष्णु प्रभाकर (संक्षिप्त)
आलोचना : हिंदी साहित्य में जीवनी, लेखक का परिचय, कृतियाँ, विष्णु प्रभाकर और आवारा मसीहा।

<u>अंक विभाजन :</u>
04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल, साहित्य भवन इलाहावाद, 2. आधुनिक हिंदी नाटक – डॉ.नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा, 3.प्र साद के ऐतिहासिक नाटक – डॉ.जगदीश चन्द्र जोशी, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, 4. हिंदी नाटक उद्भव और विकास – डॉ.दशरथ ओझा, राजपाल संस, दिल्ली, 5. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच – डॉ.सीताराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य समिति, सुचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 6. मोहन राकेश की रंगसृष्टि – जगदीश शर्मा, दिल्ली, 7. आधुनिक नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश - गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 8. रंगमंच और प्रसाद के नाटक - डॉ.रीता पालीवाल, साहित्य निधि, सी 38, ईस्ट कृष्णा नगर, दिल्ली 51 ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC - 424 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : भारतीय काव्य शास्त्र

UNIT -I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) काव्य के लक्षण (ख) काव्य के हेतु (ग) काव्य के प्रयोजन

UNIT -II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) अलंकार सिद्धांत (ख) रीति सिद्धांत (ग) व्रकोक्ति सिद्धांत

UNIT -III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) रस सिद्धांत (ख) ध्वनि सिद्धांत

UNIT -IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी आलोचना

(क) व्यक्तिवादी (ख) ऐतिहासिकता (ग) मार्क्सवाद

(घ) प्रभाववादी (ङ) सौंन्दर्यशास्त्रीय (च) समाजशास्त्रीय

<u>अंक विभाजन :</u>

04 आलोचनात्मकप्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

अनुमोदितग्रंथ :

1.भारतीय साहित्य शास्त्र - जी.टी.देश पाण्डेय, मुंबई, 2. रस मीमांसा - आचार्य शुक्ल, 3. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ.भागीरथ मिश्र, 4. रस सिद्धांत - डॉ.नगेन्द्र, 5. काव्य के लक्षण – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद , 6. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 7. अलंकार मुक्तावली – डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा, 8. तत्व और काव्य सिद्धांत - डॉ.सुरेश शिवदास वारलिंगे।

पाठ्यक्रमसंख्या : HNC - 425 **अंक : 80** **समय: 3 hrs**

पाठ्यक्रम : भाषा विज्ञान एवं हिंदि भाषा

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भोगलिक विस्तार, भाषिक विविध रूपता तथा हिंदी में कम्प्युटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी – हिंदी मानकीकरण का विवरण

UNIT -I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

भाषा : भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा की उत्पत्ति और विकास, भाषा परिवर्तन के कारण ।

UNIT -II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और प्रकृति, प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध, भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास, वागयांत्र का परिचय ।

UNIT -III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी भाषा : हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिंदी का भाषिक स्वरूप, हिंदी के विविध रूप, हिंदी में कम्प्युटर सुविधाएँ, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और मानकीकरण, ध्वनियों का वर्गीकरण ।

UNIT -IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

लिपि : लिपि की उत्पत्ति और विकास, विभिन्न प्रकार की लिपियों का संक्षिप्त इतिहास और सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ ।

<u>अंक विभाजन :</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 x 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 x 20 = 20

आनुमोदित ग्रंथ :

1.भाषा विज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहावाद, 2.भाषाशास्त्र और भाषा विज्ञान - डॉ.कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 3. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ.धीरेन्द्र वर्मा, 4. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 5. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 6. भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास – उदय नारायण तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 7. हिंदी : उद्भव और विकास – डॉ.हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहावाद, 8. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी – डॉ.सुनीति कुमार चेटर्जी, भारती भंडार, प्रयाग, 9. भारतीय भाषा विज्ञान – आचार्य किशोरीदास बाजपेयी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली।

SEMESTER – III

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 511 **अंक:80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : पत्रकारिता और मीडिया लेखन

UNIT - I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी में पत्रकारिता का उद्भव और विकास

(ख) हिंदी के प्रमुख पत्र : 1. उदंत मार्तंड, 2. कवि – वचन सुधा, 3. सरस्वती, 4. हंस

(ग) हिंदी के प्रमुख पत्रकार : 1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र, 2. बालकृष्ण भट्ट, 3. महावीर प्रसाद द्विवेदी, 4. गणेश शंकर विद्यार्थी

UNIT - II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

सिद्धांत और प्रयोग

(क) पत्रकारिता के मूल तत्व (ख) समाचार संकलन और सम्पादन (ग) समाचार के स्रोत

UNIT–III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

संचार, जनसंचार और संचार प्रक्रिया ।

(क) संचार – सामान्य परिचय,

(ख) जनसंचार

(ग) संचार प्रक्रिया

UNIT–IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आधुनिक जनसंचार माध्यम

(क) जनसंचार माध्यमों से आशय और उनका वर्गीकरण (ख) मुद्रण माध्यम

(ग) श्रव्य संचार माध्यम (घ) दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो)

(ङ) इलेक्ट्रॉनिक्स माध्यम (Satelite, Internet) (च) बहु माध्यम (Multimedia)

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 04 = 60

20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.पत्रकार कला – विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी प्रकाशन, कानपुर, 2. जन माध्यम और हिंदी पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी प्रकाशन, साहित्य संस्थान, कानपुर 3. फ़ीचर लेखन – चतुर्वेदी प्रकाशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, 4. समाचार पत्रों की चंचल सरकार (अनुवाद – नरेंद्र सिंहा) – नेशनल बुक ऑफ़ ट्रस्ट इंडिया, ए-5, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली, 5. हिंदी पत्रकारिता के सिद्धांत और स्वरुप - डॉ.सविता चड्ढा, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, 6. मीडिया बाजारवाद – रामशरण जोशी, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली 7. जनसंचार और विज्ञापन – डॉ.कुल श्रेष्ठ, पुनीत प्रकाशन, जयपुर, 8.संवाद समिति की पत्रकारिता – काशीनाथ गोविंदराव जोगलेकर, राजकमल प्रकाशन ।

पाठ्यक्रम संख्या: HNC - 512 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी आलोचना साहित्य

हिंदीआलोचक और आलोचना, हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ – काव्य शास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक आलोचना ।

UNIT – I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

चिंतामणि (भाग - 1) – रामचंद्र शुक्ल

(क) भाव या मनोविकार (ख) श्रद्धा - भक्ति (ग) ईर्ष्या

(घ) करुणा (ङ) तुलसी का भक्ति मार्ग (च) मानस की धर्मभूमि

UNIT – II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

प्रेमचंद और उनका युग - डॉ.राम विलास शर्मा

UNIT – IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

दूसरी परम्परा की खोज – डॉ नामवर सिंह

<u>अंक विभाजन</u> :

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 04 = 60

20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.समीक्षा के नये प्रतिमान – डॉ.सुखवीर सिंह, 2. नये साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – गजानन माधव मुक्तिबोध, 3. प्रगति और परम्परा – डॉ.रामविलास शर्मा, नई दिल्ली, 4. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ.रामविलास शर्मा, नई दिल्ली , 5. हिंदी आलोचना के बिजशुद्ध – डॉ.बच्चन सिंह, नई दिल्ली, 6. समीक्षा की समस्याएँ – मुक्तिबोध रचनावली – 5 नई दिल्ली, 7. साहित्य और सामाजिक मूल्य – डॉ.हरदयाल, 8. प्रगतिशील आलोचना – रविंद्रनाथ श्रीवास्तव 9. इतिहास और आलोचना – डॉ.नामवर सिंह 10. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्दुनाथ चौधरी, 11. मानव मूल्य और साहित्य – डॉ.धर्मवीर भारती, 12. हिंदी साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ।

पाठ्यक्रम संख्या: HNC – 513 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

UNIT – I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) प्लेटो – काव्य, सत्य और अनुकरण, काव्य सृजन की प्रक्रिया, काव्य का प्रभाव

(ख) अरस्तू – काव्य और अनुकरण, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत

UNIT – II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) लोंगिनुस – उदात्त सिद्धांत, लोंगिनुस और नयी समीक्षा

(ख) आई.ए.रिचर्डस – मूल्य सिद्धांत, भाषा संबधी विचार

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

प्रमुख सिद्धांत एवं वाद

(क) स्वच्छंदतावाद, (ख) मार्क्सवाद, (ग)अस्तित्ववाद, (घ) उत्तर-आधुनिकतावाद

UNIT – IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

व्यावहारिक समीक्षा

(क) काव्य

छायावाद के प्रमुख कवि – पंत, निराला और महादेवी वर्मा की किसी एक कविता या कवितांश की समीक्षा

(ख) निबंध

प्रसाद – काव्य कला तथा अन्य निबंध
प्रेमचंद – कुछ विचार

<u>अंक विभाजन :</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 4 = 60

20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 x 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.भगीरथ मिश्र, 2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – डॉ.निर्मला जैन, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली, 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ.नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली, 4. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र – डॉ.रामपूजन तिवारी, 5. हिंदी आलोचना – डॉ.विश्वनाथ तिवारी, 6. हिंदी आलोचना के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – डॉ.शिवकरण सिंह, किताव महल, इलाहावाद, 7. वाद-विवाद-संवाद - डॉ.नामवर सिंह, 8. इतिहास और आलोचना – डॉ.नामवर सिंह, 9. संवाद (नई कविता आलोचना और प्रतिक्रिया) – डॉ.प्रभाकर क्षेत्रीय, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 10. समालोचना से साक्षत्कार (साहित्य चिंतापरक लेखों का संग्रह) - संपा. डॉ.रीता पालीवाला, मानविकी विद्यापीठ, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 514 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी कथा साहित्य में स्त्री विमर्श

UNIT – I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी उपन्यास में स्त्री विमर्श, हिंदी की प्रमुख महिला उपन्यासों में चित्रित स्त्री विमर्श - समस्याएँ तथा विशेषताएँ

UNIT – II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

उपन्यास

(क) दिलो दानिश – कृष्णा सोबती, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
(ख) रूकोगी नहीं राधिका - उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी कहानी में स्त्री विमर्श, हिंदी की प्रमुख महिला कहानीकार, महिला कहानी में चित्रित विशेषताएँ, समस्याएँ तथा उद्देश्य

UNIT – IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कहानी
प्रतिनिधि महिला कथा सृजन – छविल कुमार मेहेर, शबनम पुस्तक महल, कटक

1. हिरणी – चन्द्रकिरण सोनरेक्सा
2. बादलों के घेरे – कृष्णा सोबती
3. स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भंडारी
4. औरत एक रात है – मालती जोशी
5. बानो – मंजुल भगत
6. मेरे देश की मिट्टी आहा – मृदला गर्ग
7. बन्तो – नमितासिंह
8. पाथर मन – उषा किरण खान
9. चूहे को चूहा ही रहने दो – मधु कांकरिया
10. यह रात कितनी लंबी है – जया जादवानी

<u>अंक विभाजन:</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 × 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ:

साहित्य की जमीन और स्त्री – मन के उच्छ्वास – रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2. अफ्रो – अमेरिकन साहित्य : स्त्री स्वर – विजय शर्मा, 3. देह की राजनीती तक – मृणाल पांडे, 4. परिधि पर स्त्री – मृणाल पांडे, 5.स्त्री का समय – क्षमा शर्मा, 6. स्त्रीत्व का मानचित्र – अनामिका, 7. उपनिवेश में स्त्री – प्रभा खैतान, 8. हम सभ्य औरतें – मनीषा, 9. औरत के लिए औरत – नासिर शर्मा, 10. खुली खिड़कियाँ – मैत्रीय पुष्पा, 11. औरत के हक में – तसलीमा नसरीन, 12. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, 13. सांप्रदायिक दंगे और नारी – नूतन सिंहा, 14. स्त्री वादी साहित्य विमर्श – जगदीश्वर चतुर्वेदी, 15. अधीन जमीन – उपेंद्रनाथ अश्क, 16. रेणु की नारी दृष्टी, - डॉ.अल्पना तिवारी, 17.चुकते नहीं सवाल – मृदुला गर्ग, 18. नारी प्रश्न – सरला माहेश्वरी ।

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 515 **अंक : 80** **समय : 3 hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी कविता एवं साहित्य की अन्य विधाओं में स्त्री विमर्श

UNIT – I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी कविताओं में स्त्री विमर्श

UNIT – II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी रंगमंच में स्त्री विमर्श

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी आत्मकथाओं में स्त्री विमर्श

UNIT – IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कुछ प्रमुख आत्मकथाएँ

(क) अन्या से अनन्या – प्रभा खेतान

(ख) एक कहानी यह भी – मन्नू भंडारी

<u>अंक विभाजन:</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 × 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.स्त्री पुरुष कुछ पुनर्विचार - झ्र राजकिशोर, 2. स्त्रीत्व वादी विमर्श समाज और साहित्य – क्षमा शर्मा, 3. स्त्री : मुक्ति का सपना – सं. प्रो.कमला प्रसाद, राजेंद्र शर्मा, अतिथि सं. अरविन्द जैन व लीलाधर मंडलोई, 4. विद्रोही स्त्री – जर्मन ग्रेयर, 5. औरत होने की सजा – अरविन्द जैन, 6. आदमी की निगाह में औरत – राजेंद्र यादव, 7. अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य – अर्चना वर्मा, 8. औरत उत्तर कथा – राजेंद्र यादव, 9. भारत में विवाह संस्था का इतिहास – विश्वनाथ काशीनाथ रजवाड़े, 10. समान नागरिकत संहिता – सरला माहेश्वरी, 11. नए आयामों को तलाशती नारी – दिनेश नंदिनी डालमिया, 12. प्राचीन भारत में नारी, डॉ.उर्मिला प्रकाश मिश्र, 13. इक्कीसवीं सदी की और – सुमन कृष्णकांत, 14.नारी देह के विमर्श – सुधीश पचौरी, 15. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष – अनामिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

SEMESTER – IV

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 521

पाठ्यक्रम : कामकाजी हिंदी और हिंदी कम्प्यूटिंग

क) कामकाजी हिंदी

UNIT - I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा

UNIT -II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

राजभाषा के प्रमुख प्रकार : प्रारूपण, टिप्पण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व, निर्माण के सिद्धांत, ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली

ख) हिंदी कम्प्यूटिंग

UNIT- IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

1.कम्प्युटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र (संगणक, वेब पब्लिशिंग का परिचय)

2. इंटर एक्सप्लाईट अथवा नेटस्केप

3. लिंक ब्राउजिंग (ई-मेल भेजना / प्राप्त करना) हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज

अंक विभाजन:

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 × 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ:

1.प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2. व्यवहारिक हिंदी - डॉ.महेंद्र मित्तल,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 3. प्रयोजन मूलक हिंदी - डॉ.गुलाम मोईनुद्दीन खान, शबनम पुस्तक महल, कटक, 4. हिंदी उर्दू हिंदुस्तानी – पदम सिंह शर्मा, 5. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 6. राजभाषा निती आदेश-निर्णय-भारतीय बैंक संघ, मुंबई, 7. राष्ट्रीयकृत बैंकों में हिंदी प्रयोग की नई दिशाएँ - डॉ.दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 8. प्रयोजन मूलक हिंदी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य - डॉ.नागलक्ष्मी, जवाहर पुस्तकालय, नई दिल्ली, 9. समाचार और प्रारूप लेखन - डॉ.रामप्रकाश एवं दिनेश गुप्त, राधाकृष्णन प्रकाशन, नई दिल्ली, 10.जनमाध्यम और हिंदी पत्रकारिता – प्रवीण दिक्षित, सहयोगी प्रकाशन, साहित्य संस्थान, कानपुर, 11. पत्रकारिता के विविध रूप - डॉ.रामचंद्र तिवारी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 12. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 13. दक्खिनी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली - डॉ.परमानंद पांचाल, जयश्री प्रकाशन, दिल्ली ।

पाठ्यक्रम संख्या: HNC - 522 **अंक:80** **समय : 3hrs**

पाठ्यक्रम : हिंदी पत्रकारिता

UNIT - I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

हिंदी पत्रकारिता : संक्षिप्त इतिहास, स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार

UNIT - II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

संपादन के आधारभूत तत्व : संपादकीय लेखन, फीचर लेखन की विशेषताएँ

UNIT – III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

समाचार लेखन कला : शीर्षक, इंट्रो, शीर्षक संपादन, पृष्ठ सज्जा, व्यवहारिक प्रूफ शोधन

UNIT - IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून और आचार-संहिता

अंक विभाजन:

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 × 4 = 60

20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ:

पत्रकारिता के विविध रूप - डॉ.रामचंद्र तिवारी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, 2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम - डॉ.वेद प्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 3. पत्र और पत्रकार - डॉ.पी.डी.टंडन, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी, 4 .संपादन कला - के.पी.नारायण, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 5. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प - डॉ.मनोहर प्रभाकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 6. खेल पत्रकारिता – सुशील जोषी, सुरेश कौशिक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 7. समाचार सम्पादन – कमल दीक्षित, महेश दर्पण, 8. समाचार : पत्र प्रबंधन – लेखक : गुलाब कोठारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 9. राज्य सरकार और जन संपर्क – कालीदत्त झा, रघुनाथ प्रसाद तिवारी, डॉ.महेंद्र मधुप, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 10. समाचार एवं प्रारूप-लेखन - डॉ.रामप्रकाश / डॉ.दिनेश कुमार गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 11. इक्कीसवीं सदी के संकट, रामशरण जोशी, 12. मीडिया और बाजारवाद (सं) – रामशरण जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 13. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ - डॉ.अर्जुन चव्हाण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 14. पत्रकारिता : मिशन से मीडिया तक – अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम संख्या:HNC -523 **अंक : 80** **समय : 3hrs**

पाठ्यक्रम: अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार

UNIT - I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

अनुवाद का स्वरूप : क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका

UNIT – II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

कार्यालयी हिंदी और अनुवाद : वाणिज्यिक अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ - पदनाम, विभाग आदि, पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, बैंक साहित्य के अनुवाद का इतिहास, सारानुवाद ।

UNIT -III **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

जनसंचार माध्यमों का अनुवाद : विज्ञापन में अनुवाद, तकनीकी तथा प्रायोगिक क्षेत्र में अनुवाद

विधि साहित्य और अनुवाद : विधि साहित्य की हिंदी और अनुवाद, विधि साहित्य अनुवाद का अभ्यास

UNIT -IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

साहित्य अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार, कविता, कहानी, नाटक

दुभाषिया प्रविधि : अनुवाद, पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

<u>अंकविभाजन:</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न	15 × 4 = 60
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ:

1.अनुवाद कला और प्रयोग - डॉ.कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, 2. अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार - डॉ.मंजुला दास, पराग प्रकाशन, दिल्ली, 3. अनुवाद विज्ञान - डॉ.भोलानाथ तिवारी, शब्दकोश, 4. प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग – अवधेश मोहन गुप्त, सन्मार्ग प्रकाशन, 5. पत्रकारिता में अनुवाद – जितेंद्र गुप्त, प्रियदर्शन प्रकाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 524 **अंक : 80** **समय : 3hrs**

पाठ्यक्रम: दलित साहित्य

UNIT - I **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

(क) दलित साहित्य की पृष्ठभूमि

1. भारतीय दलित साहित्य 2. हिंदी का दलित साहित्य

(ख) दलित साहित्य के संदर्भ में

1. हिंदू दर्शन 2. बौद्ध दर्शन 3. अंबेडकर दर्शन

(ग) स्वानुभूति : सहानुभूति

UNIT - II **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

उपन्यास

(क) धरती धन न अपना – जगदीश चन्द्र (ख) छप्पर – जयप्रकाश कर्दम

UNIT - III

कहानी **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

दलित कहानी संचयन - संपा. रमणिका गुप्ता, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

1. नौ बार – जयप्रकाश कर्दम
2. अस्थियों के अक्षर – शयोमराज सिंह
3. हरिजन – प्रेम कपाडिया
4. वैतरणी – नीरा परमार
5. द्वंद्व – अजय यतिश

UNIT - IV **अंक : 20 = 15 (आलोचनात्मक) + 5 (वस्तुनिष्ठ)**

आत्मकथा

(क) जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि (ख) तिरष्कृत – सुरजपाल चौहान

<u>अंक विभाजन:</u>

04 आलोचनात्मक प्रश्न 15 × 4 = 60

20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 01 × 20 = 20

अनुमोदित ग्रंथ :

1.हंस (सत्ता-विमर्श और दलित विशेषांक) अगस्त - 2004, 2. भगवान बुद्ध और उनका धर्म - डॉ.भीमराव अंबेडकर, सिद्धार्थ प्रकाशन, मुंबई, 3. दलित विमर्श की भूमिका – कवल भारती, इतिहास बोध प्रकाशन, इलाहाबाद, 5. दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद – सदानंद साही, 6. दलित विमर्श-संदर्भ – गिरिराज किशोर, 7. साहित्य और दलित चेतना - डॉ.महीप सिंह, चंद्रकांत बदिवडेकर, 8. महात्मा ज्योतिवा फूले

पाठ्यक्रम संख्या : HNC – 525 **अंक– 100**

पाठ्यक्रम : परियोजना कार्य **{अंक विभाजन – 70 (लघु शोध प्रबंध) + 30 मौखिक}**

किसी एक विषयवस्तु पर लघु शोध प्रवंध - पृष्ठ (50)

- किसी एक साहित्यकार पर आलोचना
- विमर्श पर (स्त्री विमर्श)
- अनुवाद
- मिडिया लेखन